उत्तर

PRE 2_SET 1

Class 10 - हिंदी ब

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) क्योंकि चुंगसिन अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता था इसलिए ताओ ने उसे सबसे बड़ा धार्मिक कहा।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) मानव का परम धर्म है-निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करना।
   4. कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्ति और उसके चरित्र को महान बनाती है। चुंगसिन ने निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन किया इसलिए उसे महान धार्मिक कहा गया।
   5. कुछ विद्यार्थी घर से पढ़ने के लिए कॉलेज आते हैं पर कक्षाओं में न जाकर वे मटरगश्ती करते हैं और इस प्रकार अपने माता-पिता के साथ छल करते हैं।
2. 1. (ग) जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) नम्रता - उदंडता, अनिवार्य - ऐच्छिक
   4. किसी भी व्यक्ति में स्वतंत्रता का भाव आते ही उसके मन में अहंकार आ जाता है। इस अहंकार के कारण वह अपनी मनुष्यता खो बैठता है। इससे व्यक्ति के आचरण में इतना बदलाव आ जाता है कि वह दूसरों को खुद से हीन समझने लगता है। ऐसे में स्वतंत्रता के साथ विनम्रता का होना आवश्यक है, अन्यथा स्वतंत्रता अर्थहीन हो जाएगी।
   5. मर्यादापूर्वक जीवन जीने के लिए मानसिक स्वतंत्रता आवश्यक है। इस स्वतंत्रता के साथ नम्रता का मेल होना आवश्यक है। इससे व्यक्ति में आत्मनिर्भरता आती है। आत्मनिर्भरता के कारण वह परमुखापेक्षी नहीं रहता। उसे अपने पैरों पर खड़ा होने की कला आ जाती है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. सर्वनाम पदबंध
   ii. एक गंभीर आकर्षक आवाज
   iii. नीम की घनी छाँव में
   iv. सुनते रहते हैं
   v. संज्ञा पदबंध
4. i. जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह कभी खाली नहीं बैठता।
   ii. श्याम आज्ञाकारी है और माता-पिता की सेवा करता है।
   iii. जो कर्म करने वाले हैं, उन्हें फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।
   iv. विद्वान और सत्यवादी का सर्वत्र सम्मान होता है।
   v. आप बिलकुल सच कह रहे हैं
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) समास में दो या अधिक स्वतंत्र शब्द मिलकर नया शब्द बनाते हैं, जबकि यौगिक शब्द किसी एक शब्द में उपसर्ग, प्रत्यय या अन्य संयोजन द्वारा बनते हैं।
   - समास: "ग्रामदेवता"।
   - यौगिक शब्द: "महानता"।

   (ii) अव्ययीभाव समास में पूर्व पद एक अव्यय (जिसे शब्द से बदला नहीं जा सकता) होता है, और उत्तर पद किसी संज्ञा या विशेषण का रूप होता है। उदाहरण - "यथाशक्ति" (शक्ति के अनुसार) में "यथा" पूर्व पद है जो अव्यय है, और "शक्ति" उत्तर पद है जो एक संज्ञा है।

   (iii)
   - विग्रह: सत् + कर्म
   - भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें "सत्" (अच्छा) और "कर्म" (कार्य) मिलकर "सत्कर्म" (अच्छे कार्य) का अर्थ बनाते हैं।

   (iv)
   - विग्रह: नर + ईश्वर
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "नर" (मनुष्य) और "ईश्वर" (भगवान) का मिलकर एक नया अर्थ बनता है, यानी मनुष्य के भगवान (राजा या ईश्वर)।

   (v) विग्रह: पृथ्वी + पति
   भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "पृथ्वी" (धरती) और "पति" (स्वामी) मिलकर "पृथ्वीपति" (धरती का स्वामी) का अर्थ बनाते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) सिर पर कफ़न बाँधना
   (ii) आकाश पाताल एक करना
   (iii)अंधे के हाथ बटेर लगना: भाग्यवश कोई अच्छी चीज मिल जाना।
   ऊंट के मुंह में जीरा: आवश्यकता से बहुत कम चीज प्राप्त होना।
   (iv)छोटे बच्चे ने पूरे दिन शोर मचाकर मेरी नाक में दम कर दिया।

EDUTECH ACADEMY

(v) मुहावरा: जोश में होश खोना।
वाक्य: मैच जीतने की खुशी में खिलाड़ियों ने जोश में होश खो दिया।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े- देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है? इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया?
या यों ही पढ़ गए? महज़ इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो। रावण भूमण्डल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेज़ों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिल्कुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मार उसका अंत क्या हुआ? घमण्ड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(i) **(ग)** सभी
व्याख्या:
सभी

(ii) **(ग)** छोटे भाई की निडरता पर
व्याख्या:
छोटे भाई की निडरता पर

(iii) **(ग)** घमण्डी होने के कारण
व्याख्या:
घमण्डी होने के कारण

(iv) **(क)** विश्वभर के राजा उसके अधीन थे और उसे कर देते थे, परन्तु अंग्रेजों की सत्ता पूरा संसार नहीं मानता
व्याख्या:
विश्वभर के राजा उसके अधीन थे और उसे कर देते थे, परन्तु अंग्रेजों की सत्ता पूरा संसार नहीं मानता

(v) **(घ)** सभी
व्याख्या:
सभी

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कानून भंग करके बड़ी सभा आयोजित करना ओपन लड़ाई कहा गया है। 26 जनवरी 1930 को गुलाम भारत में पहला स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। जिसमें कलकत्ता वासियों की भागीदारी थी। पुलिस ने पहले ही नोटिस निकला था की सभा में कोई नहीं आएगा। पुलिस ने सभा करने को गैरकानूनी कहा था किंतु सुभाष बाबू के आह्वान पर पूरे कलकत्ता में अनेक संगठनों के माध्यम से जुलूस व भंग का काम शुरू हुआ है तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा ओपन लड़ाई मानी जाती है।

(ii) 'गिन्नी का सोना' प्रसंग से निम्नलिखित बातें सीखी जा सकती हैं-
- आदर्शों और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए।
- आदर्शों से समझौता नहीं करना चाहिए।
- व्यावहारिकता के कारण आदर्शों को हानि न पहुँचने देना चाहिए।
- सामाजिक उत्थान के लिए आदर्श अनिवार्य हैं।

(iii) वज़ीर अली एक बहुत ही साहसी एवं शक्तिशाली सिपाही था।वह एक तूफ़ान की तरह था,जिधर से गुजरता था सब कुछ नष्ट कर देता था। जब वह घोड़े पर सवार होकर चला आ रहा था, तो उसके घोड़े के टापों से उठने वाली धूल इतनी अधिक थी कि ऐसा लग रहा था , मानो सैनिकों का एक काफ़िला चला आ रहा हो।

(iv) 'रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पंक्ति के दसों दिशाओं पर संगीतकार शंकर जयकिशन को आपत्ति थी। उनका मानना था कि जन साधारण तो चार दिशाएँ ही जानता-समझता है, दस दिशाएँ नहीं। इसका असर फ़िल्म और गीत की लोकप्रियता पर पड़ने की आशंका से उन्होंने ऐसा किया।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

EDUTECH ACADEMY

(i) **(घ)** इच्छित मार्ग
व्याख्या:
इच्छित मार्ग

(ii) **(ख)** डटकर मुकाबला करना चाहिए
व्याख्या:
डटकर मुकाबला करना चाहिए

(iii) **(ग)** दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना
व्याख्या:
दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता प्राप्त करना।

(iv) **(घ)** भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए
व्याख्या:
भेद-भाव न बढ़ने देने के लिए

(v) **(ख)** दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करना
व्याख्या:
दूसरों की उन्नति में सहायक होते हुए अपनी उन्नति करना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) इस पद में कवयित्री मीरा भगवान श्री कृष्ण के भक्त - प्रेम का वर्णन करते हुए कहती हैं कि आप अपने भक्तों के सभी प्रकार के दुखों को हरने वाले हैं अर्थात दुखों का नाश करने वाले हैं। मीरा अपने प्रभु की झूठी प्रशंसा भी करती है, प्यार भी करती हैं और अवसर आने पर डांटने से भी नहीं डरती। श्रीकृष्ण की शक्तिओं व सामर्थ्य का गुणगान भी करती हैं और उनको उनके कर्तव्य भी याद दिलाती हैं।

(ii) 'सहस्र दृग-सुमन' का अर्थ है-हजारों पुष्प रूपी आँखें। कवि ने इसका प्रयोग पर्वत पर खिले फूलों के लिए किया है। पहाड़ पर उग आए पेड़ों पर असंख्य रंग बिरंगे फूल दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि पहाड़ की असंख्य आँखें हैं। पर्वत अपने नीचे फैले तालाब रूपी दर्पण में फूल रूपी नेत्रों के माध्यम से अपने सौंदर्य को निहार रहा है। कवि ने इस पद का प्रयोग सजीव चित्रण करने के लिए किया है। वर्षाकाल में पर्वतीय भाग में हजारों की संख्या में पुष्प खिले रहते हैं। ऐसा लगता है मानों पर्वत अपने सुंदर नेत्रों से प्रकृति की छटा को निहार रहा है।

(iii) इस गीत के माध्यम से बताया गया है कि भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने देश की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए हमेशा सजग एवं सतर्क रहना चाहिए। उसमें वीरता एवं साहस के गुण मौजूद होने चाहिए। हम अपने देश की ओर आँख उठाने वाले दुश्मनों को मुँह तोड़ जवाब देंगे और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान हँसते-हँसते कर देंगे। जिस प्रकार से हमारे देश के सैनिक देश की आज़ादी को बनाए रखने के लिए अपनी जान को दाव पर लगाए रखते हैं |

(iv) "**आत्मत्राण**" कविता रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा लिखित कविता है।**आत्मत्राण** कविता का कवि ईश्वर से सांसारिक सुखों की प्रार्थना नहीं करता है। वह चाहता है कि उसका ईश्वर के प्रति विश्वास बना रहे। वह प्रभु से प्रार्थना करता है कि चाहे कितना भी कठिन समय आए, कितनी ही मुसीबतों का उसे सामना करना पड़े पर हर परिस्थिति में उसकी भगवान पर आस्था बनी रहे। वह भगवान मनुष्य को विषम परिस्थितियों में निडर होकर लड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके अनुसार भगवान में वे शक्तियाँ हैं कि वह असंभव को संभव बना सकते हैं। इससे पता लगता है कि कवि स्वयं इतना मज़बूत है कि वह किसी भी परिस्थिति में कमज़ोर नहीं पड़ेगा। साथ ही वह विनम्र और सुख-दुःख में समान व्यवहार करने वाला है।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका को परिवार व ठाकुरबारी दोनों से धोखा मिला। सभी उनकी जमीन-जायदाद को हड़प लेना चाहते थे। किसी को उनकी भावनाओं की कद्र नहीं थी। उनके जीवन में आई इन कठिनाइयों का मूल कारण वर्तमान समय में सामाजिक व पारिवारिक रिश्तों में स्वार्थ और लालच का बढ़ना है, जिसके कारण समाज में व परिवार में प्रेम, सेवा, त्याग, सहानुभूति जैसे मानवीय मूल्य समाप्त हो गए हैं। हरिहर काका की ज़मीन-जायदाद पर परिवार वालों की कुदृष्टि थी। वहीं ठाकुरबारी भी घरवालों की आपसी कलह का फायदा उठाने को तत्पर थी। इस प्रकार के समाज में फैली इस समस्या के समाधान का यही उपाय है कि समाज व परिवार में मानवीय मूल्यों की स्थापना होनी चाहिए। लोगों को परिवार में एक-दूसरे के सुख-दुःख, आपद-विपद, बीमारी आदि में सहयोग देना चाहिए। पारिवारिक मतभेदों को आपसी बातचीत से सुलझाना चाहिए। महंत जैसे पाखंडियों से दूर रहना चाहिए। घर की कलह में बाहरी हस्तक्षेप को नकार देना चाहिए। परिवार के लोगों में मतभेद भले ही हों, मन भेद नहीं होने चाहिए।

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ में विद्यार्थियों को अनुशासित रखने के लिए कठोर दंड जैसे मार-पीट जैसी युक्तियाँ अपनाई गई हैं पर वर्तमान समय में इस प्रकार की युक्तियों को निंदनीय माना गया है। इस प्रकार की युक्तियों के कारण विद्यार्थी विद्यालय में आने से डरते हैं। वर्तमान में शिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाता है कि वे विद्यार्थियों की भावनाओं को समझे और उन्हें प्यार से उनकी गलतियों का एहसास करवाएँ न कि उन्हें मारे-पीटे। जब वे बच्चों के साथ प्यार और ममता का व्यवहार रखेंगे तो विद्यार्थी भी अपनी समस्याओं को उनके साथ साझा करेंगे और ख़ुशी-ख़ुशी विद्यालय आएँगे। अतः विद्यार्थियों को अनुशासित करने के लिए वर्तमान समय की मनोवैज्ञानिक विधि सर्वाधिक उपयुक्त है।

(iii) बुद्धिमान होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया था। इसके दो कारण थे पहले साल तो वह पढ़ ही नहीं पाया क्योंकि घर के सदस्य उससे अपने-अपने काम करवाते थे जिस कारण उसे पढ़ने का समय ही न मिल पाता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया इस कारण वह पास न हो पाया था। वह अकेला पड़ गया था क्योंकि उसके दोस्त दसवीं कक्षा में थे और इसमें उसका कोई नया दोस्त नहीं बन पाया। वह शर्म के कारण किसी के साथ अपने दिल की बात न कर पाता था और अध्यापकों की हँसी का पात्र होता था क्योंकि कक्षा में आने पर अध्यापक कमज़ोर लड़कों के रूप में उसका उदाहरण देते और उसे अपमानित करते हुए व्यंग्य करते थे। कक्षा के छात्र भी उसका मज़ाक उड़ाते थे। टोपी

EDUTECH ACADEMY

के भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में कुछ आवश्यक बदलावों की आवश्यकता है। किसी भी छात्र को एक ही कक्षा में दो बार फेल नहीं करना चाहिए दूसरी बार उसे अगली कक्षा में बैठा देना चाहिए। छात्र जिस विषय में पास न हो रहा हो उसे उससे हटा दिया जाए। विषय चुनाव की छूट मिलनी चाहिए। बच्चों को अंकों के आधार पर नहीं अपितु ग्रेड के आधार पर अगली कक्षा में भेज देना चाहिए ताकि वह अपनी । स्थिति पहचान कर मेहनत कर सके। अध्यापकों को कड़ा निर्देश देना चाहिए कि कक्षा में फेल होने वाले छात्रों को अपमानित न कर उनका हौसला बढ़ाते हुए उनकी मदद करें।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **लड़कियों की शिक्षा**

बालिका, जिसके जन्म पर घर में कोई प्रसन्न नहीं होता, जो जीवन भर सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव, प्रताड़ना, उत्पीड़न, कुपोषण और शोषण का शिकार होती रहती हैं, ऐसी बालिका के लिए शिक्षा ही एक ऐसा अस्त्र बन सकता है, जो न केवल उसे उसके नैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक अधिकारी दिलाएगी, बल्कि उसे जीवन में आने वाली कठिनाइयों के सामने एक सशक्त महिला के रूप में खड़ा करेगी, अतः बालिका के साथ शिक्षा के संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। समाज में लड़कियों का स्थान-आज समय तेजी से बदल रहा है। पुरुषों के बराबर स्त्रियों की भी शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार द्वारा ऐसी अनेक योजनाएँ चलायी जा रही हैं, जिससे बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जा सके। लोगों में जागरूकता फैलाने का काम स्वयंसेवी संस्थाएँ कर रही हैं।

शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य विनम्रता, उदारता और सहनशीलता जैसे महान गणों को सीखता है। आज लड़कियों को शिक्षा की विशेष आवश्यकता है। शिक्षा की अनिवार्यता एवं बाधाएँ-बालिका के लिए शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है, स्त्रियों का परिवार समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है, बालिकाओं पर भी किसी भी देश का भविष्य निर्भर करता है क्योंकि बालिकाएँ आगे चलकर माँ बनती हैं और माँ किसी भी प्रकार की केन्द्रीय इकाई होती हैं. यदि माँ को शिक्षा प्राप्त नहीं है और वह बचपन में पोषण व अज्ञानता की शिकार हैं, तो वह एक स्वस्थ शिक्षित परिवार व उन्नत समाज को जन्म देने में विफल रहेगी. अतः बालिका के लिए शिक्षा नितांत आवश्यक है। आज बालिका शिक्षा को राष्ट्रीय आवश्यकता समझकर जोर दिया रहा है। परिणामतः बालिकाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। आज बालिकाएँ, बालकों से किसी क्षेत्र में कम नहीं है, वे आज हर प्रतियोगी युग में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सबका सहयोग-इसलिए इस कार्य के लिए माता-पिता का सहयोगी होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्हें चाहिए कि लड़के व लड़कियों में भेदभाव न करें। बल्कि उन्हें इस कार्य का श्रीगणेश अपने-अपने घरों में ही आरम्भ करना चाहिए। जिससे हमारे देश में अशिक्षा का सूरज डूबेगा व उन्नत, विकसित, शिक्षित व सम्पन्न देश के लिए नए सूरज का उदय होगा।

(ii) प्रकृति ही जीवन का आधार है। पहाड़ और नदियाँ हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। ये हमें शुद्ध हवा, पानी और भोजन प्रदान करते हैं। पहाड़ों से निकलने वाली नदियाँ सिंचाई और पीने के पानी का मुख्य स्रोत हैं। ये न केवल जैव विविधता को बढ़ावा देती हैं बल्कि हमारी संस्कृति और धर्म से भी जुड़ी हुई हैं। हमें प्रकृति के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहिए। इसके लिए हमें सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाना होगा। हमें प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बुद्धिमानी से करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी कुछ बचा रह सके।

(iii) अनुशासन शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है-अनुशासन। अनु का अर्थ है - पीछे तथा शासन का अर्थ - नियम। आदेश या नियम का अनुसरण करना ही अनुशासन कहलाता है। अनुशासन सफलता की कुंजी है- यह किसी ने सही कहा है कि अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है क्योंकि इससे एक निश्चित समय में, निश्चित क्रिया करके निर्धारित फल प्राप्त किया जा सकता है। लोकतंत्र में सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार है। आज के लोग अपने इस अधिकार का दुरुपयोग अनुशासनहीनता के लिए करते हैं। विद्यार्थी कक्षाओं का बहिष्कार करते हैं तथा आपराधिक व अनैतिक कृत्यों में लिप्त रहकर विद्यालय में अशांति फैलाते हैं। इस प्रकार की अनुशासनहीनता पर नियंत्रण के लिए अनुशासन की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस अनुशासनहीनता पर नियंत्रण नहीं किया गया तो विद्यार्थियों का भविष्य अच्छा नहीं होगा। छात्रों की गुटबंदी न हो उसके लिए अध्यापकों द्वारा नियमित अध्ययन कराना चाहिए। थोड़े-थोड़े अंतराल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलनों का आयोजन करना चाहिए। इस प्रकार से नियंत्रण करने पर विद्यार्थियों को अनुशासन में रखा जा सकता है। इस अनुशासन का प्रभाव पूरी सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। अतः हमें हमेशा सजग रहना चाहिए। इसलिए हमें इसके लिए सतत् प्रयत्नशील रहना चाहिए जिससे हम विद्यार्थियों को सही दिशा दे सकें जो भावी राष्ट्र का सपना है।

13. 24, पांचबत्ती चौराहा,
एम. आई. रोड
जयपुर
दिनांकः 23/XX20XX
सेवा में
श्रीमान पर्यावरण मंत्री जी,
पर्यावरण विभाग
जयपुर।

विषय- सड़क चौड़ी करने के बहाने आवश्यकता से अधिक हो रहे पेड़ों के कटाव की जानकारी देने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि आजकल जिले में सड़कों की चौड़ाई का काम चल रहा है। जिले से पन्द्रह किलोमीटर दूर बावड़ी पंचायत में भी इसी प्रकार का काम चल रहा है। सड़क के दोनों तरफ घने छायादार पेड़ हैं। इस पेड़ों को ठेकेदार सड़क चौड़ी करने के बहाने अवैध तरीके से काट रहे हैं। उन पेड़ों को काटने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि वहाँ पहले से ही इतना स्थान है कि सड़क बिना वृक्षों को काटे ही चौड़ी की जा सकती है। यदि इन पेड़ों को काटना नहीं रोका गया तो इसका प्रतिकूल प्रभाव हमारे पर्यावरण पर पड़ेगा।

अतः आपसे निवेदन है कि आप इस मामले पर उचित कार्रवाई करते हुए दोषियों को सजा दें तथा उन्होंने जितने पेड़ काटे हैं उनसे दोगुना लगवाने की कृपा

EDUTECH ACADEMY

करें।
धन्यवाद।
निवेदन कर्ता
क.ख.ग.

अथवा

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
वाराणसी।
दिनांक .....
विषय - मेट्रो प्रबंधन की प्रशंसा के संदर्भ में।
महोदय,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण के माध्यम से मेट्रो के कुशल प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। में गत शुक्रवार दिल्ली गया था। वहाँ मेट्रो में सफर करते समय कीमती सामान वाला बैग भूल गया। जैसे ही मैं स्टेशन से बाहर आया तब मुझे पता चला। मैने वहाँ स्थित पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत दर्ज कराने के साथ ही मैंने मेरा बैग ढूँढ़ने का अनुरोध किया। मेट्रो के कुशल प्रबंधन व त्वरित कार्यवाही के कारण अगले ही दिन मेरा बैग मुझे वापस मिल गया। मैं आपके पत्र के माध्यम से यह कहना चाहता हूँ, कि मैट्रो के प्रत्येक यात्री को इस बात से बहुत प्रसन्नता होगी कि मेट्रो अपने यात्रियों की प्रत्येक कठिनाई में उनके साथ है।
धन्यवाद।
भवदीय,
मोहित
राज नगर, वाराणसी

14.

केंद्रीय विद्यालय
दिल्ली कैंट, नई दिल्ली

सूचना
विद्यालय में गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

विद्यालय परिषद द्वारा आप सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम व नाटिकाएँ प्रस्तुत की जाएँगी। आप सभी से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम में उपस्थित हों। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपने कक्षा के मुख्य शिक्षक से संपर्क करें। कार्यक्रम इस प्रकार हैं-

- **दिनांक** - 26 जनवरी
- **समय** - सुबह 8 बजे
- **स्थान** - विद्यालय परिसर
- **कार्यक्रम के विषय** - नृत्य, संगीत, नाटक, भाषण

सचिव
अनिल यादव

अथवा

राष्ट्रीय विकास विद्यालय
राष्ट्रीय सेवा योजना
सूचना

प्रिय सदस्यों,
नमस्ते! हम सभी को आमंत्रित करते हैं पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमारे विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह में भाग लेने के लिए। यह समारोह दिनांक 24/09/2023 को विद्यालय के परिसर में आयोजित होगा। इस अद्वितीय कार्यक्रम में हम नए पौधों को बोएंगे और पर्यावरण संरक्षण की महत्वता को बढ़ावा देंगे। आइए हम सभी मिलकर इस यज्ञ में भाग लें और अपने योगदान से प्रकृति को संजीवनी दें।
धन्यवाद,
राम/रमा
राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक
राष्ट्रीय विकास विद्यालय

गणपति मोबाइल रिपेयर सेंटर
खुशखबरी खुल
गई दुकान

EDUTECH ACADEMY

15.

प्रशिक्षित कुशल कारीगरों द्वारा गुणवत्तायुक्त

कार्य की गारंटी

हर प्रकार के मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य

उचित मूल्य पर किया जाता है।

(घर बैठे मोबाइल रिपेयर की सुविधा उपलब्ध)

पता-खुड़बड़ा मोहल्ला, हनुमान चौक के निकट, रुड़की संपर्क-012345...

अथवा

आगया! आगया! आगया!

ब्लू वर्ड वाटर पार्क

अब आपके शहर में! आज ही आएँ और मस्ती करें!

पानी के विभिन्न खेल।

रोमांचक झूले।

खान-पान की स्वच्छ व्यवस्था।

मनोरंजन की व्यवस्था।

जल्दी करें!

पहले सौ ग्राहकों कों एक महीने का मुफ्त पास!

पता : 31/204 सेक्टर - बी, अ ब स नगर मोबइल नं. - 12345...

16. From: pawan@mycbseguide.com

To: abcschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने इस वर्ष आपके विद्यालय से कक्षा नौवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और मैं अभी दसवीं कक्षा में अध्ययनरत हूँ। मेरे पिताजी का स्थानांतरण करनाल हो जाने के कारण मुझे भी अपने परिवार के साथ वहाँ जाना होगा और वही के विद्यालय में दसवीं कक्षा में प्रवेश लेना होगा। इसके लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।

आपसे निवेदन है कि मुझे मेरा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाए, जिसमें मेरी शैक्षणिक योग्यताओं के अतिरिक्त खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया हो। यह मुझे वहाँ प्रवेश दिलाने में अतिरिक्त मदद करेगा।

पवन

अथवा

आज़ादी

भारत विश्व का सबसे बड़ा संविधानिक देश है। भारत में विभिन्न प्रकार के जाति धर्म समुदाय रंग रूप संस्कृति के लोग मिलजुल कर रहते है। 15 अगस्त 1947 को भारत में ब्रिटिश सरकार से आज़ाद हुआ था। उस वक्त से लेकर आज तक 15 अगस्त का दिन जोश और उत्साह के साथ पूरे देश भर में मनाया जाता है।

भारत को आज़ाद हुए पूरे 75 साल हो चुके हैं। इस देश को आज़ाद कराने में कितने ही वीरों ने अपने खून से इस धरती को सींचा है, साथ ही उन वीर सपूतों के बलिदान का भी दिन है। अंग्रेजों ने लंबे समय तक हमारे देश पर राज किया था। 15 अगस्त, सन 1947 को हम उनकी गुलामी से आज़ाद हुए थे। अंग्रेजों ने पूरे 200 सालों तक हम पर राज किया। देश को आज़ाद कराने में भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्रबोस, बाल गंगाधर तिलक, सुखदेव, सरदार वल्लभभाई पटेल, गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपतराय, महात्मा गांधी जैसे अनेक वीरों के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। जिन्होंने अंग्रेजों को खदेड़ने में जी जान लगा दी। कई तरह के विद्रोह और आंदोलन किए जिसके बाद अंत में थककर अंग्रेजों को भारत से जाना पड़ा। आज हम आज़ाद होकर खुली हवा में साँस ले पा रहे हैं। इसका श्रेय स्वतंत्रता सेनानियों को ही जाता है। जिन्होंने दिनरात एक कर इसके लिए लड़ाई लड़ी। कई तरह की यातनाएँ सहीं। उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता की हष्टि से ये दिन बहुत महत्त्व रखता है। इसके साथ ही देश के प्रति अपने कर्तव्यों और देशभक्ति का महत्व समझने के लिए भी स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए बहुत मायने रखता है। इस दिन स्कूल, कॉलेज व कार्यालयों में झंडा लहराया जाता है। तरह तरह के आयोजन किए जाते हैं। लड्डू बाँटे जाते हैं और कई जगहों पर तो इस दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है।

EDUTECH ACADEMY